

मानव में व्यवस्था

मानव में और शरीर के सह-अस्तित्व के
रूप में

स्वयं में अध्ययन

1. अध्ययन वस्तु:

a. चाहना - लक्ष्य

सुख, समृद्धि → निरंतरता

b. करना - कार्यक्रम

सुख = संगीत में, व्यवस्था में जीना



व्यवस्था को समझना, व्यवस्था में जीना

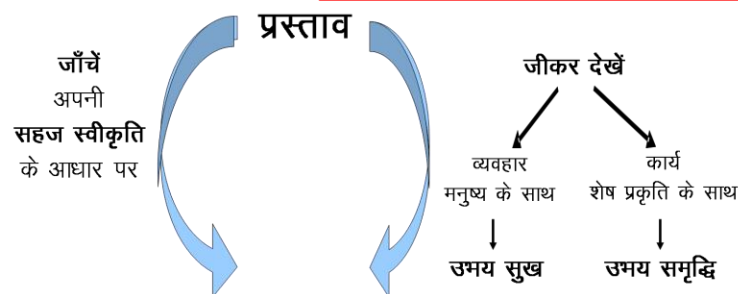
1. मानव में व्यवस्था

2. परिवार में व्यवस्था

3. समाज में व्यवस्था

4. प्रकृति/अस्तित्व में व्यवस्था

2. अध्ययन विधि

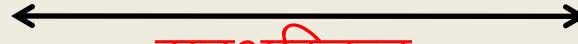


Human Being
मानव

Self (I)
मैं

Co-existence
सहअस्तित्व

Body
शरीर



Human Being

मानव

Self (I)

मैं

Co-existence

सहअस्तित्व

Body

शरीर

Need आवश्यकता	Happiness (e.g. Respect) सुख (जैस सम्मान)	Physical Facility (e.g. Food) सुविधा (जैसे भोजन)
In Time काल में	Continuous निरन्तर	Temporary सामयिक
In Quantity मात्रा में	Qualitative (is Feeling) गुणात्मक (भाव है)	Quantitative (Required in Limited Quantity) मात्रात्मक (सीमित मात्रा में)

ये जरूरतें दो अलग-अलग प्रकार की हैं या एक ही प्रकार की ?

क्या दोनों महत्वपूर्ण हैं?

क्या हम दोनों को पूरा करना चाहते हैं?

इन दोनों के बीच वरीयता क्रम क्या है।

Human Being

मानव

Self (I)

मैं

Co-existence

सहअस्तित्व

Body

शरीर

Need आवश्यकता	Happiness (e.g. Respect) सुख (जैस सम्मान)	Physical Facility (e.g. Food) सुविधा (जैसे भोजन)
In Time काल में	Continuous निरन्तर	Temporary सामयिक
In Quantity मात्रा में	Qualitative (is Feeling) गुणात्मक (भाव है)	Quantitative (Required in Limited Quantity) मात्रात्मक (सीमित मात्रा में)
Fulfilled By पूर्ति के लिए	Right Understanding & Right Feeling सही समझ, सही भाव	Physio-chemical Things भौतिक-रासायनिक वस्तु

मैं की आवश्यकता भौतिक-रासायनिक वस्तुओं से पूरी नहीं हो सकती।

ये दोनों प्रकार की आवश्यकता को अलग-अलग समझने की जरूरत है।

ये दोनों आवश्यकता को अलग-अलग पूरा करने की जरूरत है।

हमारे जीने में :-

1. हम कितना समय सही समझ और सही भाव के लिए लगा रहे हैं।
2. हम कितना समय सुविधा कमाने के लिए लगा रहे हैं।

Human Being

मानव

Self (I)
मैं

Co-existence

सहअस्तित्व

Body

शरीर

Need आवश्यकता	Happiness (e.g. Respect) सुख (जैस सम्मान)	Physical Facility (e.g. Food) सुविधा (जैसे भोजन)
In Time काल में	Continuous निरन्तर	Temporary सामयिक
In Quantity मात्रा में	Qualitative (is Feeling) गुणात्मक (भाव है)	Quantitative (Required in Limited Quantity) मात्रात्मक (सीमित मात्रा में)
Fulfilled By पूर्ति के लिए	Right Understanding & Right Feeling सही समझ, सही भाव	Physio-chemical Things भौतिक-रासायनिक वस्तु
Activity क्रिया	Desire, Thought, Expectation... इच्छा, विचार, आशा...	Eating, Walking... खाना, चलना...
In Time काल में	Continuous निरन्तर	Temporary सामयिक

Human Being

मानव

Self (I)
मैं

Co-existence

सहअस्तित्व

Body

शरीर

Need आवश्यकता	Happiness (e.g. Respect) सुख (जैस सम्मान)	Physical Facility (e.g. Food) सुविधा (जैसे भोजन)
In Time काल में	Continuous निरन्तर	Temporary सामयिक
In Quantity मात्रा में	Qualitative (is Feeling) गुणात्मक (भाव है)	Quantitative (Required in Limited Quantity) मात्रात्मक (सीमित मात्रा में)
Fulfilled By पूर्ति के लिए	Right Understanding & Right Feeling सही समझ, सही भाव	Physio-chemical Things भौतिक-रासायनिक वस्तु
Activity क्रिया	Desire, Thought, Expectation... इच्छा, विचार, आशा...	Eating, Walking... खाना, चलना...
In Time काल में	Continuous निरन्तर	Temporary सामयिक
Response	Knowing, Assuming, Recognising, Fulfilling जानना, मानना, पहचानना, निर्वाह करना	Recognising, Fulfilling पहचानना, निर्वाह करना

जानना, मानना

जानना, मानना, पहचानना, निर्वाह करना

Problem समस्या

शिक्षा-संस्कार

Resolution

समाधान

बिना जाँचे मानना

मान्यताएं बदलती रहती है

अनिश्चित आचरण (निर्भरता, परतंत्रता)

स्वयं के अधिकार पर जाँचना

-सहज स्वीकृति के आधार पर

-जीने में उभय सुख एवं समृद्धि के आधार पर

मानना निश्चित है

निश्चितता, निरंतरता, सार्वभौमिकता

आचरण निश्चित है (स्वतंत्रता)

जानना

- जो वस्तु जैसी है उसे वैसा देख पाना

मानना

- मैं क्या हूँ, दूसरा क्या है ? दूसरा मानव मनुष्येतर प्रकृति

पहचानना

- मेरा दूसरे के साथ संबंध क्या है ?

निर्वाह करना

- संबंध का निर्वाह करना

Human Being

मानव

Self (I)
मैं

Co-existence

सहअस्तित्व

Body

शरीर

Need आवश्यकता	Happiness (e.g. Respect) सुख (जैस सम्मान)	Physical Facility (e.g. Food) सुविधा (जैसे भोजन)
In Time काल में	Continuous निरन्तर	Temporary सामयिक
In Quantity मात्रा में	Qualitative (is Feeling) गुणात्मक (भाव है)	Quantitative (Required in Limited Quantity) मात्रात्मक (सीमित मात्रा में)
Fulfilled By पूर्ति के लिए	Right Understanding & Right Feeling सही समझ, सही भाव	Physio-chemical Things भौतिक-रासायनिक वस्तु
Activity क्रिया	Desire, Thought, Expectation... इच्छा, विचार, आशा...	Eating, Walking... खाना, चलना...
In Time काल में	Continuous निरन्तर	Temporary सामयिक
Response	Knowing, Assuming, Recognising, Fulfilling जानना, मानना, पहचानना, निर्वाह करना	Recognising, Fulfilling पहचानना, निर्वाह करना

Human Being

मानव

Self (I)

मैं

Co-existence

सहअस्तित्व

Body

शरीर

Need आवश्यकता	Happiness (e.g. Respect) सुख (जैस सम्मान)	Physical Facility (e.g. Food) सुविधा (जैसे भोजन)
In Time काल में	Continuous निरन्तर	Temporary सामयिक
In Quantity मात्रा में	Qualitative (is Feeling) गुणात्मक (भाव है)	Quantitative (Required in Limited Quantity) मात्रात्मक (सीमित मात्रा में)
Fulfilled By पूर्ति के लिए	Right Understanding & Right Feeling सही समझ, सही भाव	Physio-chemical Things भौतिक-रासायनिक वस्तु
Activity क्रिया	Desire, Thought, Expectation... इच्छा, विचार, आशा...	Eating, Walking... खाना, चलना...
In Time काल में	Continuous निरन्तर	Temporary सामयिक
Response	Knowing, Assuming, Recognising, Fulfilling जानना, मानना, पहचानना, निर्वाह करना	Recognising, Fulfilling पहचानना, निर्वाह करना

Consciousness चैतन्य

Material जड़

मानव में और शरीर के सह-अस्तित्व के रूप में है।

में एक चैतन्य इकाई है। इसकी आवश्यकता सुख है जो सही समझ और सही भाव से पूरी होती है।

शरीर जड़ इकाई है। इसकी आवश्यकता सुविधा है, जो भौतिक-रासायनिक वस्तुओं से पूरी होती है।

में की आवश्यकता भौतिक रासायनिक वस्तुओं से पूरी नहीं हो सकती

शरीर की आवश्यकता समझ और भाव से पूरी नहीं हो सकती

शरीर का पहचानना, निर्वाह करना निश्चित है।

में का पहचानना, निर्वाह करना जानने एवं मानने पर निर्भर करता है –

- यदि मानना जानने के आधार पर है तो पहचानना, निर्वाह करना हमेशा सही हो पाता है – **आचरण की निश्चितता**
- यदि मानना जानने के आधार पर नहीं है तो पहचानना, निर्वाह करना हमेशा सही नहीं हो पाता है – **अनिश्चितता आचरण**